सेमेस्टर-1

(2023-2024, 2024-2025 एवम् 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-1 हिंदी भाषा सामर्थ्य और जीवन कौशल (Hindi Proficiency & Life Skills)

Ability Enhancement Courses-01 (Credits 02) (Total Marks-50)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 वर्णमाला-स्वर और व्यंजन का परिचय देते हुए शब्द-कोश का उपयोग।
शब्द-ज्ञान-पर्याय,विलोम, अनेकार्थी, समश्रुत शब्दों का परिचय
कहावत-मुहावरे-लोकोक्ति का परिचय।

इकाई-2संज्ञा और सर्वनाम का सामान्य परिचय।

इकाई-3विरामचिह्न, कहावत और मुहावरों का वाक्य में प्रयोग।

इकाई-4 भाव-पल्लवन, मुद्दों के आधार पर कहानी-लेखन, किसी विषय पर संक्षेप में निबंध-लेखन।

अंक- विभाजन-

प्रश्न 1. इकाई 1,2 और 3 से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5 x 2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 से सात संक्षिप्तप्रश्न (07 x 1 = 07 अंक) और इकाई 4 से पल्लवन,कहानी अथवा निबंध-लेखन

पर आधारित एक प्रश्न (07 x 1 = 07 अंक)

सहायक ग्रंथः

संज्ञा की परिभाषा

- संज्ञा उस विकारी शब्द को कहते हैं जिससे किसी वस्तु भाव और जीव के नाम का बोध हो मतलब कि किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के पांच भेद होते हैं

1. **<u>व्यक्तिवाचक</u>** (Proper noun)
2. **<u>जातिवाचक</u>** (Common noun)
3. **<u>जातिवाचक</u>** (Abstract noun)
4. **<u>समूहवाचक</u>** (Collective noun)
5. **<u>द्रव्यवाचक</u>** (Material noun)

1) व्यक्तिवाचक संज्ञा

- जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति , वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं।
- **व्यक्ति का नाम:** संध्या, धर्मेश, सुरेश, सचिन आदि।
- **वस्तु का नाम:** गीता, रामायण, कार, घर आदि।
- **स्थान का नाम:** कच्छ, गुजरात, मुंबई, दिल्ली आदि।
- **दिशाओं के नाम:** उत्तर, पश्चिम, पूर्व, दक्षिण
- **नदियों के नाम:** गंगा, जमुना, सरस्वती, कावेरी , नर्मदा आदि।

- **व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण**

1. **विकास** फुटबॉल खेलता है।
2. **राम** मेरा दोस्त है।
3. **प्रेमचंद** एक उपन्यासकार हैं।
4. **रोनाल्डो** फुटबॉल के महान खिलाड़ी हैं।
5. **महेंद्र सिंह धोनी** इतिहास के सबसे अच्छे बल्लेबाज हैं।

2) जातिवाचक संज्ञा

- जिस शब्द से एक जाति के सभी प्राणियों अथवा वस्तुओं का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- बच्चा ,जानवर, नदी, अध्यापक, बाजार, पहाड़, खिड़की आदि शब्द एक ही प्रकार प्राणी वस्तु और स्थान का बोध करा रहे हैं, इसलिए यह **जातिवाचक संज्ञा** है।

- **लड़का** -सभी लड़कों का बोध होता है।
- **वस्तु** से सभी प्रकार की वस्तु का बोध होता है।
- **नदी** से गंगा, यमुना, सरस्वती आदि सभी नदियों का बोध होता है।
- **मनुष्य** कहने से संसार की मनुष्य जाति का बोध होता है।

1.**बच्चे खिलौनों** से खेल रहे हैं।

2.**पेड़ों** पर **पक्षी** बैठे हैं।

3.**हिरण** का **शेर** शिकार करते हैं।

4.सड़क पर **गाड़ियाँ** चलती हैं।

3) भाववाचक संज्ञा

- जिन शब्दों से किसी प्राणी या पदार्थ के गुण भाव स्वभाव के अवस्था का बोध होता है, उन्हें **भाववाचक sangya** कहते हैं। मिठास, बुढ़ापा, गरीबी, आजादी, साहस, वीरता, आदि शब्द भाव पूर्ण अवस्था तथा क्रिया के व्यापार का बोध करा रहे हैं इसलिए भाववाचक sangya है।

<u>भाववाचक संज्ञा के उदाहरण</u>

- उत्साह , ईमानदारी , बचपन
- **उत्साह** मन का भाव है।
- **ईमानदारी** से गुण का बोध होता है।
- **बचपन** जीवनी एक अवस्था या दशा का बताता है।

4) समूहवाचक संज्ञा

- जिस संज्ञा शब्द से वस्तुओं के समूह का या समुदाय का बोध हो उसे **समूहवाचक sangya** कहते हैं।

5) द्रव्यवाचक संज्ञा

- जिस संज्ञा से किसी तरल, ठोस, अधातु, धातु, पदार्थ, द्रव्य आदि वस्तु का बोध हो उसे द्रव्यवाचक sangya कहते हैं। जिन शब्दों से किसी धातु द्रव्य पदार्थ का बोध हो उसे **द्रव्यवाचक sangya** कहते हैं। **द्रव्यवाचक संज्ञा के उदाहरण** – तांबा , पीतल , सोना , लोहा आदि।

Class : ____________ Date : ________

संज्ञा

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए।

क) बुढ़ापे में इन्सान बिल्कुल बच्चा बन जाता है।

ख) प्रियंका गाँधी और राहुल गाँधी बहन–भाई हैं।

ग) खिड़की के शीशे टूटे हैं।

घ) सैनिक लड़ रहे हैं।

ङ) हिमालय पर्वतों का राजा है।

च) आकाश में पक्षी उड़ रहे हैं।

छ) एवरेस्ट की चढ़ाई बहुत कठिन है।

ज) हाथी मस्त चाल चलता है।

झ) आज मैं बहुत खुश हूँ।

ञ) बच्चे बचपन में बहुत चंचल होते हैं।

ट) कक्षा में बच्चे बैठे हैं।

ठ) गरीबी बहुत बड़ा अभिशाप है।

ड) मेरा विद्यालय दिल्ली में स्थित है।

ण) सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं।

प) करेले में कड़वापन होता है।

फ) मैदान में कुछ लड़के बात कर रहे हैं।

सर्वनाम

- संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम (Sarvanam) कहते हैं। सर्वनाम एक विकारी शब्द है। सर्वनाम शब्द ‘सर्व’ और ‘नाम’ के संयोग से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ सबका नाम होता है। सर्वनाम का रुपांतरण वचन और कारक की वजह से होता है, लेकिन सर्वनाम का रुपांतरण लिंग की वजह से कभी नहीं होता है।
- हिंदी में ग्यारह सर्वनाम होते हैं। हिंदी के सर्वनाम मैं, तू, आप, यह, वह, सो, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या हैं।

सर्वनाम के उदाहरण

- **वह** पैन मेरा नहीं है।
- **यह** घर मेरे दादाजी ने बनवाया था।
- **मैंने** आज व्यायाम नहीं किया।
- **तुम** एक बहादुर लड़की हो।
- **कोई** आ रहा है।
- वे **कुछ** खा रहे हैं।
- वह **कौन** है, जो खेत में घुस रहा है?
- पिताजी कल **किसकी** बात कर रहे थे?

सर्वनाम का प्रयोग क्यों किया जाता है?

- सर्वनाम का उपयोग भाषा को **सुंदर** बनाने के लिए तथा संज्ञा शब्दों की **पुनरावृत्ति** को कम करने के लिए सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है। जैसे: **मोहन** एक चालाक आदमी है। **मोहन** दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है। **मोहन** की एक बेटी है। **मोहन** अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है। यहाँ **मोहन** शब्द की **पुनरावृत्ति** हो रही है। इस तरह एक शब्द कि बार-बार पुनरावृत्ति होने से भाषा की **सुंदरता** में कमी आती है। **सर्वनाम** शब्दों का प्रयोग इसी पुनरावृत्ति को ख़त्म करने के लिए किया जाता है।
- अब यदि इस उदाहरण में हम सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हैं तो, वाक्य कुछ इस तरह बनेंगे-
- **मोहन** एक चालाक आदमी है। **वह** दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है। **उसकी** एक बेटी है। **वह** अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम

ViaHindi.in

- पुरूषवाचक सर्वनाम
- निश्चयवाचक सर्वनाम
- अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- प्रश्नवाचक सर्वनाम
- सम्बन्धवाचक सर्वनाम
- निजवाचक सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

जैसे:- मैं, तू, आप, यह, वह, सो, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या

1. पुरुषवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं

- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बात कहने वाले के स्थान पर, बात सुनने वाले के स्थान पर तथा जिसके बारे में बात की जा रही है उसके स्थान पर किया जाता है, उन्हें **पुरूषवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **मैं, तू, आप, यह, वह** आदि पुरूषवाचक सर्वनाम हैं। **<u>पुरूषवाचक सर्वनाम</u> तीन प्रकार के होते हैं**

1.उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम

2.मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम

3.अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

a. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम

- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता स्वयं के लिए करता है, उन्हें **उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **‘मैं’** एवं **‘हम**‘ उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम है। कारक के आधार पर **‘मैं’** अपना रूप परिवर्तित करके जो अन्य सर्वनाम बनाता है, वे सभी सर्वनाम भी उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम होंगे। **जैसे:- मैंने, मुझको, मुझसे, हमको, हमने आदि।**
- **उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम के उदाहरण:-**

1. **मैं एक धार्मिक व्यक्ति हूँ।**
2. **मैंने आज नाश्ता नहीं किया है।**

b. मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम

- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता द्वारा बात सुनने वाले के लिए किया जाता है, उन्हें **मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **‘तू’** तथा **‘आप’** मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम होते हैं।
- **मध्यम पुरूषवाचक सर्वनाम के उदाहरण:-**

1. **तुम बहुत अच्छी हिंदी बोलते हो।**
2. **आपके सहयोग के बिना मैं यह सब नहीं कर पाऊंगा।**

c. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं

- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता एवं बात सुनने वाला किसी तीसरे व्यक्ति या वस्तु के लिए करते हैं, उन्हें **अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **‘यह’** एवं **‘वह’** अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम शब्द हैं।
- **अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम के उदाहरण:-**

1. **यह मेरा घर है।**
2. **वह मेरा घर नहीं है।**

2. निश्चयवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं |

- जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है, उन्हें **निश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **'यह'** एवं **'वह'** निश्चयवाचक सर्वनाम हैं। निश्चयवाचक सर्वनाम में किसी व्यक्ति या वस्तु की ओर निश्चित इशारा किया जाता है।
- **निश्चयवाचक सर्वनाम के उदाहरण:-**

A. **यह मेरी पुस्तक है।** इस वाक्य में **'यह'** निश्चयवाचक सर्वनाम शब्द है। **'यह'** का प्रयोग वक्ता के दवारा आसपास कि किसी वस्तु या व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है।

B. **वह मेरा सामान नहीं है।** इस वाक्य में **'वह'** निश्चयवाचक सर्वनाम शब्द है। **'वह'** का प्रयोग वक्ता के दवारा अपने से दूर किसी वस्तु या व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं

- जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है, उन्हें **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **'कोई'** एवं **'कुछ'** अनिश्चयवाचक सर्वनाम हैं।
- **अनिश्चयवाचक सर्वनाम के उदाहरण:**

1. **वहां कोई तो था।** इस वाक्य में **'कोई'** शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम है। इस वाक्य में स्पष्ट नहीं है कि वहां कौन था। **अतः अनिश्चयवाचक सर्वनाम वाले शब्दों में अनिश्चितता बनी रहती है।**
2. **कुछ गड़बड़ है।** इस वाक्य में भी **'कुछ'** शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम है। अनिश्चितता की स्थिति यहाँ भी बनी हुई है।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं |

- जिन सर्वनाम शब्दों से प्रश्न का बोध होता है उन्हें **प्रश्नवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **कौन, क्या, किसकी** आदि प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं। जिस वाक्य में प्रश्नवाचक सर्वनाम प्रयुक्त होते हैं, वह वाक्य प्रश्न बन जाता है।
- **प्रश्नवाचक सर्वनाम के उदाहरण:-**

a) राम के पिता का नाम क्या है?

b) यह पुस्तक किसकी है?

c) भारत का प्रधानमंत्री कौन है?

5. संबंधवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं |

- जिन सर्वनाम शब्दों से दो अलग-अलग बातों या वाक्यों के बीच संबंध का बोध होता है, उन्हें **संबंधवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **‘जो’** एवं **‘सो’** संबंधवाचक सर्वनाम हैं।
- **संबंधवाचक सर्वनाम के उदाहरण:-**

1. **जो मेहनत करेगा सो कामयाब होगा।** इस वाक्य में **जो-सो** दोनों वाक्यों के बीच संबंध बना रहे हैं।

6. निजवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं |

- **जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता स्वयं के लिए करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। आप, अपना, स्वयं** आदि निजवाचक सर्वनाम है।
- **निजवाचक सर्वनाम के उदाहरण:-**

A. **मैं अपना काम जानता हूँ।** इस वाक्य में **'अपना'** निजवाचक सर्वनाम है।